अध्याय– चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण

- ☞ उद्देश्य एक के अनुसार
- ☞ प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या परिकल्पनाओं के अनुसार
- ☞ लेखन की अशुध्दियों के कारणों का अध्ययन

अध्याय– चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना :–

संग्रहित प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करना है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजन करके विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है, जो नवीन सिध्दांत की खोज अथवा सामान्यीकरण के रूप में होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण करके शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा किया जाता है।

प्रदत्तों के विश्लेषण के अभ्यास से प्राप्त परिणाम से प्रदत्तों की व्याख्या करना शोध का मुख्य हिस्सा है। व्याख्या के द्वारा हम एकत्रित प्रदत्तों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में कर सकते है; सांख्यिकीय तथ्यों को अपने आप में कोई उपयुक्तता नहीं होती। एकत्रित प्रदत्तों की उपयोगिता उसकी सही व्याख्या पर निर्भर होती है। विद्यार्थियों के लेखन अशुध्दियों की तालिका परिशिष्ट में लगाई है।

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकता द्वारा 14 शून्य परिकल्पनाएं बनाई गयी है तथा इनकी जॉच 0.01 स्तर एवं 0.05 स्तर पर की गई। इस अध्याय में सर्वप्रथम उद्देश्य एक के लिए प्रतिशत तथा परिकल्पनाओं के अनुसार कुल विद्यार्थियों की अशुध्दियों को कुल विद्यार्थी संख्या (N) से भाग देकर जो प्रतिफल आया, वह मध्यमान है। इस प्रकार क्रमशः मानक विचलन (S.D.) 'टी' का मान स्वतंत्रता की कोटी (df) सार्थक अन्तर तथा कारणो के अध्ययन हेतू प्रतिशत इन प्रविधियों का उपयोग किया गया।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण :–

☞ <u>उद्देश्य 1के अनुसार :–</u>

- कक्षा छठवीं के मराठी भाषी विद्यार्थियो के मराठी भाषा लेखन की अशुध्दियों का अध्ययन करना।

- कक्षा छठवीं के मराठी भाषी विद्यार्थियों कें मराठी भाषा लेखन में विरामचिह्न, संयुक्ताक्षर, वर्ण, शब्द, अनुच्छेद रचना की

निम्नलिखीत प्रकार कि अशुध्दियॉ पायी गई है।

1. मात्रा सम्बन्धी अशुध्दियॉ :–

मराठी में कुल मिलाकर 12 प्रकार की मात्राऍ होती है, जिसमें– ा, ि, ी, ु, ू, ृ, े, ै, ो, ौ, ॅ, ः आदिं. समाविष्ट है। विद्यार्थियों के लेखन मे मात्रा की अग्रलिखित अशुद्वियॉ पायी गयी।

तालिका क्रमांक–4.1

मात्राओं की अशुध्दियॉ

क्र.	अशुध्दियों के प्रकार	होनेवाली त्रुटि	आवृत्ती	प्रतिशत
1	मात्राओं का लोप	सही– बलिदान, स्वातंत्र गलत– बलदान, स्वतंत्र	21	26.25
2	अनावश्यक जगह मात्रा लगाना	सही– उच्चारले, माधव गलत– उच्चारेल मधाव	32	40
3	अशुद्ध मात्राऍ	सही– उदयोगमहर्षी, नेते गलत– उदयोगमहर्षि, नैते	10	12.5
4	स्थान परिवर्तन	सही– येत नाहीत गलत– नाहीत येत	17	21.25
		कुल	**80**	**100**

1) मात्राओं का लोप :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कई बार मात्राओं को लगाना भूल जाते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.1 में दिखाया गया है। यह त्रुटि विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

2) अनावश्यक जगह मात्रा लगाना :–

विद्यार्थी प्रायः लेखन करते समय अनावश्यक रूप में जहॉ जरूरत नहीं है, उस जगह पर भी मात्रा लगाते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका 4.1 में दिखाया गया है। यह अशुद्धियॉ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

3) अशुध्द मात्राऍ :–

विद्यार्थियों द्वारा लेखन करते समय कई बार अशुद्ध मात्राऍ लगाने की भूल हो जाती है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्रमांक–4.1 में दिखाया गया है। यह अशुध्दियॉ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

4) स्थान परिवर्तन :–

विद्यार्थी कभी–कभी लेखन करते समय गलत स्थान पर भी मात्रा लगा देते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका 4.1 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुद्धियॉ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

<u>निष्कर्ष</u> :–

निष्कर्ष रूप से यह कहॉ जा सकता है कि– मात्राओं का लोप एवं अनावश्यक जगह मात्रा लगाने की जादातर अशुध्दियॉ विद्यार्थियों ने की है।

2. विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियाँ :–

अनुच्छेद द्वारा परीक्षण में विद्यार्थियों के लेखन से विरामचिह्न की अशुध्दियाँ पायी गयी है। 'विराम' का शाब्दिक अर्थ होता है– ठहराव। मराठी भाषा में

.	,	;	?	!	\`	“ ”	‘ ’	——	–

इस प्रकार के विरामचिह्नों की अशुद्धियाँ विद्यार्थी लेखन करते समय करते है। यह अशुद्धियाँ अग्रलिखित प्रकार की पायी गयी है।

तालिका क्र 4.2

विरामचिह्नों की अशुद्धियाँ

क्र.	अशुध्दियों के प्रकार	होनेवाली त्रुटि	आवृत्ती	प्रतिशत
1	विरामचिह्न न लगाना	सही– आई–बाबा। गलत– आई बाबा।	30	37.5
2	गलत विरामचिह्न लगाना	सही–सावरकर,महात्मा गांधी गलत–सावरकर। महात्मा गांधी	38	47.5
3	विरामचिह्न बार–बार देना	सही– बाप रे,! कौण तू? गलत– बाप रे!! कौण तु??	12	15
		कुल	80	100

1) विरामचिह्न न लगाना :–

विद्यार्थी कई बार लेखन करते समय विरामचिह्न लगाना भूल जाते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्र.4.2 में दिखाया गया है यह अशुद्धियाँ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

2) गलत विरामचिह्न लगाना :–

विद्यार्थी कई बार लेखन करते समय गलत विरामचिह्न लगा देते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्र.4.2 में दिखाया गया है। इस प्रकार कि अशुद्धियॉ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी।

3) विरामचिह्न बार–बार देना :–

विद्यार्थी कई बार लेखन करते समय बार–बार विरामचिह्न लगा देते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्र.4.2 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

निष्कर्ष :– विद्यार्थियों की जादातर अशुध्दियॉ विरामचिह्न के प्रकार क.4.2.2 में हुई है।

3. वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियॉ :–

अनुच्छेद द्वारा परीक्षण से प्राप्त आंकडों से विद्यार्थी वर्ण सम्बन्धी अशुद्धियॉ भी करते है, यह समझ में आया है। विद्यार्थियों के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अग्रलिखित अशुध्दियॉ पायी गयी है।

तालिका क्रमांक 4.3

वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियॉ

क्र.	अशुध्दियों के प्रकार	होनेवाली त्रुटि	आवृत्ती	प्रतिशत
1	वर्ण लोप	सही– लोकमान्य, प्रतिज्ञा गलत– लोमान्य, प्रज्ञा	33	41.25
2	अनावश्यक वर्ण लगाना	सही– शाब्बास, वालचंद गलत–शाब्बासकी, वालचंदजी	27	33.75
3	एक ही वर्ण बार–बार लिखना।	सही– सावला, नक्षत्रं गलत– साववला, नक्षक्षत्रं	20	25
		कुल	80	100

1) वर्ण लोप :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी वर्ण का लोप करते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3 में दिखाया गया है। यह अशुध्दियॉ वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियॉ है, जो विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

2) अनावश्यक वर्ण :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी अनावश्यक वर्ण लगा देत है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3 में दिखाया गया है। इस प्रकार की वर्णसम्बन्धी अशुध्दियॉ भी विद्यार्थियों के लेखन से पायी गयी है।

3) एक ही वर्ण बार–बार लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी एक ही वर्ण बार–बार लिखते है। जैसे कि उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3 में दिखाया गया है। इस प्रकार की वर्ण की अशुध्दियॉ भी विद्यार्थियों के लेखन में हुई है।

निष्कर्ष :–

निष्कर्ष रूप में यह कहॉ जा सकता है कि, वर्ण लोप और अनावश्यक वर्ण लगाने की अशुध्दियॉ जादातर विद्यार्थियों ने की है।

4. संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियॉ :–

अनुच्छेद के द्वारा लिए गये परीक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि, विद्यार्थी संयुक्ताक्षर की अशुध्दियॉ भी करते है। विद्यार्थियों के लेखन से संयुक्ताक्षर सम्बन्धी निम्नलिखित अशुध्दियॉ पायी गयी है

तालिका क्रमांक 4.4

संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियॉ

क्र.	अशुध्दियों के प्रकार	होनेवाली त्रुटि	आवृत्ती	प्रतिशत
1	संयुक्ताक्षर लोप	सही– लोकमान्य, तिलक गलत– तिलक	11	13.75
2	अनावश्यक संयुक्ताक्षर लिखना	सही– स्वराज्य, हक्क गलत–स्थापनाराज्य,हक	28	35
3	संयुक्ताक्षर बार–बार लिखना	सही– सामान्यतः गलत– सामान्यतःसामान्यतः	17	21.25
4.	गलत संयुक्ताक्षर लिखना	सही– स्वातत्रंवीर गलत– सव्वातत्रंवरी	24	30
		कुल	80	100

1) संयुक्ताक्षर लोप :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी संयुक्ताक्षर का लोप कर देते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.4 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

2) अनावश्यक संयुक्ताक्षर लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी अनावश्यक संयुक्ताक्षर लिखते है। जैसे कि, उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.4 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ विद्यार्थियों के लेखन से पायी गयी है।

3) एक ही संयुक्ताक्षर बार–बार लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी एक ही संयुक्ताक्षर बार–बार लिखते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.4 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ भी लेखन में विद्यार्थियों द्वारा हुई है।

4) गलत संयुक्ताक्षर लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी गलत संयुक्ताक्षर लिखते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.4 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ भी लेखन में विद्यार्थियों द्वारा हुई है।

निष्कर्ष :–

निष्कर्ष रुप मे यह कहा जा सकता है कि, विद्यार्थी लेखन करते समय अनावश्यक संयुक्ताक्षर लिखना व गलत संयुक्ताक्षर लिखने की जादातर अशुध्दियॉ करते है।

5. शब्द सम्बन्धी अशुध्दियॉ :–

अनुच्छेद द्वारा पाये गये परीक्षण से यह समझ में आया कि, विद्यार्थियों की शब्द सम्बन्धी अशुध्दियॉ भी होती है। विद्यार्थियों के लेखन से शब्द सम्बन्धी निम्नलिखित अशुध्दियॅा पायी गयी है।

तालिका क्रमांक 4.5

शब्द सम्बन्धी अशुध्दियॉ

क्र.	अशुध्दियों के प्रकार	होनेवाली त्रुटि	आवृत्ती	प्रतिशत
1	शब्दों का लोप	सही– शाब्बास..मैना..शाब्बास गलत– शाब्बास....शाब्बास	24	30
2	शब्द तोडकर लिखना	सही– जयसिंगपुरचा गलत–जयसिंग पुरचा	26	32.5
3	एक ही शब्द बार–बार लिखना	सही– कुन्हाडा, मोठा गलत–कुन्हाड–कुन्हाडा, मोठा–मोठा	16	20
4.	अनावश्यक शब्द लिखना	सही– कोण तू? गलत– कोण रे तु?	14	17.5
		कुल	80	100

1) शब्दों का लोप :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी शब्दों का लोप करते है। जैसे कि तालिका क्रमांक 4.5 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ भी विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

2) शब्द तोडकर लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी शब्द तोडकर लिखने की गलती करते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.5 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ भी विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

3) एक ही शब्द बार–बार लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी एक ही शब्द बार–बार लिखने की गलतियॉ कर देते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.5 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुध्दियॉ भी विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

4) अनावश्यक शब्द लिखना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी योग्य शब्द न लिखकर अनावश्यक शब्द लिखते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.5 में दिखाया गया है। इस प्रकार की अशुद्धियॉ भी विद्यार्थियों के लेखन में पायी गयी है।

निष्कर्ष :–

निष्कर्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि, विद्यार्थी लेखन करते समय शब्दों सम्बन्धी शब्दों का लोप की अशुध्दियॉ जादातर प्रमाण में करते है।

6. अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियॉ :–

अनुच्छेद लेखन परीक्षण द्वारा यह समझ में आया कि, विद्यार्थियों की अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियॉ भी होती है। अनुच्छेद रचना सम्बन्धी निम्नलिखित अशुध्दियॉ पायी गयी है। बहुत ही कम विद्यार्थियों ने अनुच्छेद रचना

सही ढंग से की हैं, अशुध्दियॉ करनेवाले व सही ढंग से लिखनेवाले विद्यार्थियों का प्रतिशत प्रमाण तालिका के अनुसार निम्नलिखित प्रकार से है।

तालिका क्रमांक 4.6

अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियॉ

क्र.	अशुध्दियों का प्रकार	आवृत्ती	प्रतिशत
1.	गलत अनुच्छेद रचना	21	26.25
2.	एक अनुच्छेद लिखने के बाद लाईन छोडना	22	27.5
3.	अनुच्छेद न छोडना	20	25
4.	एक के नीचे एक अनुच्छेद न लिखना	2	2.5
	कुल	65	81.25

1) गलत अनुच्छेद रचना :–

विद्यार्थी लेखन करते समय कभी–कभी अनुच्छेद रचना गलत करते है। जैसे कि, तालिका में बताया गया है कि, गलत अनुच्छेद करनेवाले विद्यार्थियों का प्रमाण भी प्रतिशत में है। यह गलती करनेवाले विद्यार्थियों का प्रतिशत तालिका क्रमांक 4.6 में दिखाया गया है।

2) एक अनुच्छेद लिखने के बाद लाईन छोडना :–

कुछ विद्यार्थी लेखन करते समय एक अनुच्छेद लिखने पर लाईन छोडने की गलतियॉ भी करते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक. 4.6 में बताया गया है कि, यह प्रमाण 27.5 प्रतिशत है।

3) अनुच्छेद न छोडना :–

कुछ विद्यार्थी लेखन करते समय अनुच्छेद न छोडने की गलती कर देते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.6 में यह प्रमाण 25 प्रतिशत बताया है।

4) एक के नीचे एक अनुच्छेद न लिखना :–

कुछ विद्यार्थी एक अनुच्छेद की शुरूवात जहॉ से की है। ठीक उसी प्रमाण से दूसरे अनुच्छेद की शुरूवात न करके कभी पहले तो कभी बाद में इसकी शुरूवात करके एक के नीचे एक परिच्छेद न लिखने की गलती करते है। जैसे कि, तालिका क्रमांक 4.6 के अनुसार यह प्रमाण 2.5 प्रतिशत है।

5) अनुच्छेद रचना सही ढंग से करना :–

तालिका क्र. 4.7

क्र.	अनुच्छेद रचना प्रकार	आवृत्ती	प्रतिशत
1.	अनुच्छेद रचना सही ढंग से करना	15	18.75
	कुल	15	18.75

1) अनुच्छेद रचना सही ढंग से करना :–

कुछ विद्यार्थी अनुच्छेद रचना की तालिका क्र. 4.7 के अनुसार अशुध्दियॉ करते है, तो कुछ विद्यार्थी सही ढंग से अनुच्छेद रचना करते है। कुल 80 विद्यार्थियों में से 18.75 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सही ढंग से अनुच्छेद रचना की है। बाकी के 81.25 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अनुच्छेद रचना में तालिका 4.7 के अनुसार अशुध्दियॉ कर दी है।

<u>निष्कर्ष</u> :– उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.6 व 4.7 के अनुसार बहुत कम विद्यार्थियों ने अनुच्छेद रचना सही ढंग से कर दि है। बाकी के विद्यार्थियों ने उपरोक्त अशुध्दियॉ कर दी है। जैसे, तालिका क्रमांक 4.7 में दिखाया गया है। उसमें भी अनुच्छेद रचना गलत करना और अनुच्छेद न छोडने वालों का अधिकतर प्रतिशत प्रमाण पाया गया है।

☞ प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या परिकल्पनाओं के अनुसार है।

परिकल्पना :– 1

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में मात्राओं सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.8

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में मात्राओं सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	70.72	22.74	0.04	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	71	29.11		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.8 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 70.72, मानक विचलन (S.D) 22.74 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 71, मानक विचलन 29.11 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0.04 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.04 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में मात्राओं सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

परिकल्पना :– 2

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.9

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	15.88	5.12	0.68	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	14.88	7.75		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05स्तर पर = 2.64

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.9 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 15.88, मानक विचलन (S.D) 5. 12 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 14.88, मानक विचलन 7.75 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0.68 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.68 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

परिकल्पना :– 3

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.10

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	13.53	4.27	0.68	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	14.30	5.74		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.10 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 13.53, मानक विचलन (S.D) 4.27 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 14.30, मानक विचलन (S.D) 5.74 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0.68 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.68 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

Library

परिकल्पना :– 4

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.11

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	11.63	4.87	0.04	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	11.68	5.96		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.11 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 11.63, मानक विचलन (S.D) 4. 87 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 11.68, मानक विचलन (S.D) 5.96 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0.04 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.04 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

परिकल्पना :– 5

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में शब्दों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.12

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में शब्दों सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	13.68	6.37	0.10	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	13.85	8.43		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.12 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 13.68, मानक विचलन (S.D) 6.37 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 13.85, मानक विचलन (S.D) 8.43 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0.10 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.10 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में शब्दों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

परिकल्पना :– 6

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.13

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	1.48	1.22	1.16	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	1.83	1.47		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.13 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 1.48, मानक विचलन (S.D) 1. 22 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 1.83, मानक विचलन (S.D) 1.47 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 1.16 है।

तालिका में 'टी' का मान 1.16 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना :– 7

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में हुई कुल अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.14

कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में हुई कुल सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	छात्र	40	127	35.57	0.04	नहीं है।
2	छात्राएँ	40	127.40	52.16		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.14 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के कुल 80 विद्यार्थी है, जिसमें 40 छात्रों का मध्यमान (M) 127, मानक विचलन (S.D) 35.57 है। 40 छात्राओं का मध्यमान (M) 127.40, मानक विचलन (S.D) 52.16 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0.04 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.04 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है। अर्थात् सार्थक नहीं है, इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के मराठी भाषी छात्र एवं छात्राओं के लेखन में हुई कुल अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं ।

परिकल्पना :– 8

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में मात्राओं सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.15

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में मात्राओं सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	77.15	31.11	2.22	है।
2	अशासकीय	40	64.58	17.77		

स्वतंत्रता की कोटी(d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.01 स्तर पर= 2.64

0.05 स्तर पर = 1.9

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.15 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 77.15,मानक विचलन 31.11 है। अशासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 64.58, मानक विचलन (S.D) 17.77 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 2. 22 है।

तालिका में 'टी' का मान 2.22 है, जो कि टेबल मूल्य 0.01 स्तर पर 2.64 से कम है; इसलिए सार्थक नहीं है। परंतु 0.05 स्तर पर 1.99 से ज्यादा है, इसलिए सार्थक है। अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में मात्राओं सम्बन्धी अशुध्दियों में सार्थक अन्तर हैं।

परिकल्पना :– 9

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.16

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	15.58	7.70	0.27	नहीं है।
2	अशासकीय	40	15.18	5.23		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.16 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 15.58, मानक विचलन 7.70 है। अशासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 15.18, मानक विचलन (S.D) 5.23 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0. 27 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.27 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है, अर्थात सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में विरामचिह्नों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

परिकल्पना :– 10

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.17

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	13.15	5.80	1.36	नहीं है।
2	अशासकीय	40	14.68	4.08		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका 4.17 के अनुसार, शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 13.15, मानक विचलन(S.D) 5.80 है। अशासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 14.68, मानक विचलन (S.D) 4.08 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 1.36 है।

तालिका में 'टी' का मान 1.36 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है, अर्थात सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नही हैं।

परिकल्पना :– 11

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.18

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	11.10	6.57	0.90	नहीं है।
2	अशासकीय	40	12.20	3.94		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.18 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 11.10, मानक विचलन 6.57 है। अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 12.20, मानक विचलन (S.D) 3.94 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0. 90 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.90 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है, अर्थात सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में वर्ण सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना :– 12

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में शब्दों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.19

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में शब्दों सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	14	8.23	0.28	नहीं है।
2	अशासकीय	40	13.53	6.62		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.19 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 14, मानक विचलन 8.23 है। अशासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 13.53 , मानक विचलन (S.D) 6.62 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 0. 28 है।

तालिका में 'टी' का मान 0.28 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है, अर्थात सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में शब्दों सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना :– 13

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.20

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	1.40	1.32	1.67	नहीं है।
2	अशासकीय	40	1.90	1.35		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.20 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 1.40, मानक विचलन 1.32 है। अशासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 1.90, मानक विचलन (S.D) 1.35 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 1. 67 है।

तालिका में 'टी' का मान 1.67 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है, अर्थात सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में अनुच्छेद रचना सम्बन्धी अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना :– 14

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में हुई कुल अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

इस परिकल्पना को जॉचने के लिए शोधकर्ता द्वारा 'टी' मान का उपयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.21

कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में हुई कुल अशुध्दियों की तुलना

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' का मान	सार्थक अंतर
1	शासकीय	40	132.35	55.18	1.03	नहीं है।
2	अशासकीय	40	122.05	29.79		

स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) =78 टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर = 1.99

स्पष्टीकरण :–

तालिका क्रमांक 4.21 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा छठवीं के शासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 132.35, मानक विचलन (S.D) 55.18 है। अशासकीय विद्यालय के 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 122.05, मानक विचलन (S.D) 29.79 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78 है, तो 'टी' का मान 1.03 है।

तालिका में 'टी' का मान 1.03 है, जो कि टेबल मूल्य 0.05 स्तर पर 1.99 से कम है, अर्थात सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :– कक्षा छठवीं के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन में हुई कुल अशुध्दियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

☞ लेखन की अशुध्दियों के कारणों का अध्ययन –

लेखन की अशुध्दियों के कारणों को जानने हेतु निम्न तालिका में प्रतिशत के आधार पर 26 प्रश्नों का विश्लेषण किया गया है।

तालिका नं. 4.22

लेखन की अशुध्दियों के कारणों का अध्ययन

प्रश्न क्र.	नंबर (हॉ)	प्रतिशत	नंबर (ना)	प्रतिशत
1	67	83.75	13	16.25
2	36	45	44	55
3	39	48.75	41	51.25
4	39	48.75	41	51.25
5	38	47.5	42	52.5
6	70	87.5	10	12.5
7	71	88.75	9	11.25
8	59	73.75	21	26.25
9	13	16.25	67	83.75
10	23	28.75	57	71.25
11	78	97.5	2	2.5
12	26	32.5	54	67.5
13	56	70	24	30
14	72	90	8	10
15	46	57.5	34	42.5
16	48	60	32	40
17	37	46.25	43	53.75
18	71	88.75	9	11.25
19	41	51.25	39	48.75
20	58	72.5	22	27.5
21	28	35	52	65
22	38	47.5	42	52.5
23	24	30	56	70
24	41	51.25	39	48.75
25	60	75	20	25
26	27	33.25	53	66.25

प्रश्न–1.क्या,शिक्षक श्यामपट पर लिखते समय योग्य अक्षरों में लिखते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 67 (83.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट पर लिखते समय योग्य अक्षरों में लिखते है एवं 13(16.25%) विद्यार्थियों का कहना है की, शिक्षक श्यामपट पर लिखते समय योग्य अक्षरों में नही लिखते। 67(83.75%) विद्यार्थियों के जवाब पर ध्यान दिया तो यह स्पष्ट होता है की, शिक्षक श्यामपट पर लिखते समय योग्य अक्षरों में लिखते है।

प्रश्न–2.क्या, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ आपको स्पष्ट दिखाई देता है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 36(45%) विद्यार्थियों का कहना है की, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ स्पष्ट दिखाई देता है एवं 44(55%) विद्यार्थियों का कहना है की, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ स्पष्ट दिखाई नही देता। इससे यह स्पष्ट होता है की, लगभग आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ स्पष्ट दिखाई देता है और आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ स्पष्ट दिखाई नही देता।

प्रश्न–3.क्या, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ आप योग्यता से पढ़ सकते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों मे से 39(48.75%) विद्यार्थियों का कहना है की, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ योग्यता से पढ़ सकते है एवं 41(51.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ योग्यता से नही पढ़ सकते। इससे यह स्पष्ट होता है की, लगभग आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ योग्यता से पढ़ सकते है और आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ योग्यता से नही पढ़ सकते।

प्र.4– क्या, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय आपको अक्षरों का आकार, अक्षरों के बीच का अंतर आदि. की जानकारी देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 39 (48.75%) विद्यार्थियो का कहना है की, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय हमको अक्षरों का आकार, अक्षरों के बीच का अंतर आदि. की जानकारी देते है एवं 41(51.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय हमको अक्षरों का आकार, अक्षरों के बीच का अंतर आदि. की जानकारी नही देते। इससे यह स्पष्ट होता है की, लगभग आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय हमको अक्षरों का आकार, अक्षरों के बीच का अंतर आदि. की जानकारी देते है और आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय हमको अक्षरों का आकार, अक्षरों के बीच का अंतर आदि. की जानकारी नही देते।

प्र.5– क्या, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय आपको विरामचिह्न, मात्राएँ आदि. की जानकारी देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 38(47.5%) विद्यार्थियो का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट लेखन करते समय हमको विरामचिह्न, मात्राएँ आदि. की जानकारी देते है एवं 42(52.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट लेखन करते समय हमको विरामचिह्न, मात्रा आदि. की जानकारी नही देते। इससे यह स्पष्ट होता है की, लगभग आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय हमकों विरामचिह्न, मात्राएँ आदि. की जानकारी देते है और आधे विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक श्यामपट पर लेखन करते समय हमकों विरामचिह्न, मात्राएँ आदि. की जानकारी नही देते।

प्र.6– क्या, शिक्षक कक्षा में आपकी अनुलेखन की तैयारी करवाते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 70(87.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक कक्षा में हमारी अनुलेखन की तैयारी करवाते है एवं 10(12.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक कक्षा में हमारी अनुलेखन की तैयारी नही करवाते। 70(87.5%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों की अनुलेखन की तैयारी करवाते है।

प्र.7– क्या, शिक्षक कक्षा में आपकी श्रृतलेखन की तैयारी करवाते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 71(88.75 %) विद्यार्थियो का कहना है कि, शिक्षक कक्षा में हमारी श्रृतलेखन की तैयारी करवाते है एवं 9(11.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक कक्षा में हमारी श्रृतलेखन की तैयारी नही करवाते। 71(88.75%) विद्यार्थियों के जवाब यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों की श्रृतलेखन की तैयारी करवाते है।

प्र.8– क्या, शिक्षक आपकी वर्णमाला पाठांतर की तैयारी करवाते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 59(73.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक कक्षा में हमारी वर्णमाला पाठांतर की तैयारी करवाते है एवं 21(26.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक कक्षा में हमारी वर्णमाला पाठांतर की तैयारी नही करवाते। 59(73.75%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक विद्यार्थियों की वर्णमाला पाठांतर की तैयारी करवाते है।

प्र.9– क्या, शिक्षक आपको स्वर का अर्थ, स्वर कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 13(16.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक हमकों स्वर का अर्थ, स्वर कितने और

कौनसे है, इसकी जानकारी देते है एवं 67(83.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक हमकों स्वर का अर्थ, स्वर कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी नहीं देते। 67(83.75%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक विद्यार्थियों को स्वर का अर्थ, स्वर कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी नही देते।

प्र.10– क्या, शिक्षक आपको व्यंजन का अर्थ, व्यंजन कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 23(28.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक हमकों व्यंजन का अर्थ, व्यंजन कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी देते है एवं 57(71.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक हमकों व्यंजन का अर्थ, व्यंजन कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी नहीं देते। 57(71.25%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक विद्यार्थियों को व्यंजन का अर्थ, व्यंजन कितने और कौनसे है, इसकी जानकारी नही देते।

प्र.11– क्या, शिक्षक गृहकार्य देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 78(97.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक हमकों गृहकार्य देते है एवं 2(2.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक हमकों गृहकार्य नही देते। 78(97.5%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक विद्यार्थियों को गृहकार्य देते है।

प्र.12– क्या, आप शिक्षक का दिया हुआ गृहकार्य हर दिन समय पर पुरा करते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 26(32.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, वह शिक्षक का दिया हुआ गृहकार्य हर दिन समय

पर पुरा करते हैं एवं 54(67.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, वह शिक्षक का दिया हुआ गृहकार्य हर दिन समय पर पुरा नही करते एवं 54(67.5%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, वह शिक्षक का दिया हुआ गृहकार्य हर दिन समय पर पुरा नही करते।

प्र.13– क्या, शिक्षक आपकी गृहकार्य की कॉपी देखते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 56(70%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके शिक्षक उनकी गृहकार्य की कॉपी देखते हैं एवं 24(30)% विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके शिक्षक उनकी गृहकार्य की कॉपी नहीं देखते। 56(70%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, उनके शिक्षक उनकी गृहकार्य की कॉपी देखते हैं।

प्र.14– क्या, शिक्षक आपको शुद्ध लेखन करने पर प्रबलन देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 72(90%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक उनको शुद्ध लेखन करने पर प्रबलन देते हैं एवं 8(10%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक उनको शुद्ध लेखन करने पर प्रबलन नहीं देते। 72(90%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक उनको शुद्ध लेखन करने पर प्रबलन देते हैं।

प्र.15– क्या, शिक्षक आपके लेखन में गलतियॉ होने पर आपको डॉटते या दण्ड देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 46(57.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, शिक्षक उनके लेखन में गलतियॉ होने पर उनको डॉटते या दण्ड देते हैं एवं 34(42.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि , शिक्षक उनके लेखन में गलतियॉ होने पर उनको डॉटते या दण्ड नही देते। 46(57.5%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक विद्यार्थियों के लेखन में गलतियॉ होने पर विद्यार्थियों को डॉटते या दण्ड देते है।

प्र.16– क्या, शिक्षक आपके लेखन में गलतियॉ होने पर भी प्यार से समझाकर गलतियॉ दुरूस्त करवाते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 48 (60%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनक़े शिक्षक उनके लेखन में गलतियॉ होने पर भी प्यार से समझाकर गलतियॉ दुरूस्त करवाते है एवं 32(40%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके शिक्षक उनके लेखन में गलतियॉ होने पर भी प्यार से समझाकर गलतियॉ दुरूस्त नही करवाते। 48(60%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, शिक्षक विद्यार्थियों लेखन में गलतियॉ होने पर भी प्यार से समझाकर गलतियॉ दुरूस्त करवाते है।

प्र.17– क्या, शिक्षक आपको ह्स्व–दिर्घ के बारे में जानकारी देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 37(46.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनक़े शिक्षक उनको ह्स्व–दिर्घ के बारे में जानकारी देते है एवं 43(53.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके शिक्षक उनको ह्स्व–दिर्घ के बारे में जानकारी नही देते। इससे यह स्पष्ट होता है कि, लगभग आधे विदयार्थियों का कहना है की, शिक्षक उनको ह्स्व–दिर्घ के बारे में जानकारी देते है और आधे विदयार्थियों का कहना है की, शिक्षक उनको ह्स्व–दिर्घ के बारे में जानकारी नही देते।

प्र.18– क्या, आपके शाला में लेखन की स्पर्धाऍ होती है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों मे से 71(88.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके शाला मे लेखन की स्पर्धाऍ होती है एवं 9(11.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके शाला मे लेखन की स्पर्धाऍ नही होती। 71(88.75%) विद्यार्थियों के जवाब पर ध्यान दिया तो यह स्पष्ट होता है कि, उनके शाला मे लेखन की स्पर्धाऍ होती है।

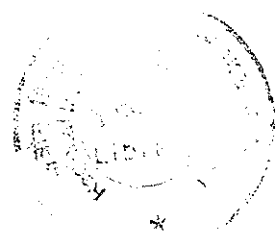

प्र.19– क्या, आप शालेय लेखन स्पर्धा में सहभाग लेते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 41(51.25%) विद्यार्थियो का कहना है कि, वह शालेय लेखन स्पर्धा मे सहभाग लेते है एवं 39(48.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, वह शालेय लेखन स्पर्धा मे सहभाग नही लेते। इससे यह स्पष्ट होता है कि, लगभग आधे विद्यार्थी लेखन स्पर्धा मे सहभाग लेते है और लगभग आधे विदयार्थी लेखन स्पर्धा मे सहभाग नही लेते।

प्र.20– क्या, आपके मित्र या मैत्रिण आपके लेखन की गलतियों की आपको जानकारी देते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों मे से 58(72.5%) विद्यार्थियो का कहना है कि, उनके मित्र या मैत्रिण उनको लेखन की गलतियों की उनको जानकारी देते है एवं 22(27.5%) विद्यार्थियो का कहना है कि, उनके मित्र या मैत्रिण उनको लेखन की गलतियों की उनको जानकारी नही देते एवं 58(72.5%) विद्यार्थियों के जवाब पर ध्यान दिया तो यह स्पष्ट होता है कि, विद्यार्थियों को उनके मित्र या मैत्रिण के व्दारा लेखन की गलतियों की जानकारी मिलती है।

प्र.21– क्या, मॉ शिक्षित है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 28(35%) विद्यार्थियों का कहना है की, उनकी मॉ शिक्षित है एवं 52(65%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनकी मॉ शिक्षित नही है। 52(65%) विद्यार्थियों के जवाब पर ध्यान दिया तो यह स्पष्ट होता है कि, उनकी मॉ शिक्षित नही है।

प्र.22– क्या, पिताजी शिक्षित है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 38(47.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके पिताजी शिक्षित है एवं 42(52.5%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके पिताजी शिक्षित नही है। 42(52.5%)

विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, लगभग आधे विद्यार्थियों के पिताजी शिक्षित है और आधे विद्यार्थियों के पिताजी शिक्षित नहीं है।

प्र.23– क्या, मॉ और पिताजी दोनों भी शिक्षित है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों मे से 24(30%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके मॉ और पिताजी दोनों भी शिक्षित है एवं 56(70%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके मॉ और पिताजी दोनों भी शिक्षित नही है। 56(70%) विद्यार्थियों के जवाब से यह स्पष्ट होता है कि, अधिकतर विद्यार्थियों के मॉ और पिताजी दोनों भी शिक्षित नही है।

प्र.24– क्या, मॉ और पिताजी दोनों भी अशिक्षित है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 41(51.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके मॉ और पिताजी दोनों भी अशिक्षित है एवं 39(48.75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके मॉ और पिताजी दोनों अशिक्षित नही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि, लगभग आधे विद्यार्थियों के मॉ और पिताजी दोनों भी अशिक्षित है और लगभग आधे विद्यार्थियों के मॉ और पिताजी दोनों अशिक्षित नही है।

प्र.25– क्या, आपको लिखना अच्छा लगता है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 60(75%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनको लिखना अच्छा लगता है एवं 20(25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनको लिखना अच्छा नही लगता। 60(75%) विद्यार्थियों के जवाब से स्पष्ट होता है कि, ज्यादातर विद्यार्थियों को लिखना अच्छा लगता है।

प्र.26– क्या, आपके माता–पिता घर में आपकी लेखन की तैयारी करवाते है ?

तालिका 4.22 के अनुसार, कुल 80 विद्यार्थियों में से 27(33.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके माता–पिता घर में उनकी लेखन की तैयारी करवाते है एवं 53(66.25%) विद्यार्थियों का कहना है कि, उनके माता–पिता

घर में उनकी लेखन की तैयारी नही करवाते। 53(66.25%) विद्याार्थियो के जवाब से स्पष्ट होता है कि, जादातर विद्यार्थियों के माता–पिता घर में उनकी लेखन की तैयारी नही करवाते।

निष्कर्षः–

उपरोक्त प्रश्नों के विद्यार्थियों द्वारा पाये गये जवाबों से स्पष्ट होता है कि, विद्यार्थियों के मराठी भाषा लेखन की अशुध्दियों के कारणों में– (1) शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ स्पष्ट दिखाई न देना, (2) शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा हुआ पढने योग्य न होना, (3) श्यामपट कार्य करते समय अक्षरों का आकार, अक्षरों के बीच का अंतर आदि की जानकारी न मिलना उसके साथ–साथ विरामचिह्न, मात्रा की भी जानकारी न मिलना, (4) स्वर,व्यंजन की जानकारी न मिलना, गृहकार्य हर दिन न लिखना, (5) शिक्षक द्वारा डॉटना या दण्ड मिलना, शिक्षक से ह्स्व–दिर्घ की जानकारी न मिलना, (6) लेखन स्पर्धा में भाग न लेना, (7) माता–पिता का अशिक्षित होना, (8) घर पर लेखन की तैयारी न करवाने के कारण ज्यादातर अशुध्दियॉ होती है। (9) इसके अलावा कक्षा का वातावरण, (10) विद्यार्थियों की कक्षा में अनुपस्थिती, शारीरिक–मानसिक स्थिति आदि. का समावेश होता है।